Raj Express (Indore), 17th November 2024, Page- 04

साझेदारी

सेना ने उन्नत अनुसंधान और प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए आईआईटी इंदौर के साथ किया एमओयू

प्रौद्योगिकियों में संयुक्त प्रयासों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

भारतीय सेना (एआरटीआरएसी) ने उन्नत अनुसंधान और प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए आईआईटी इंदौर के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। भारतीय सेना और आईआईटी इंदौर की ओर से एमसीटीई ने शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में सहक्रिया को बढ़ावा देने के लिए एमओयू के माध्यम से साझेदारी को औपचारिक रूप दिया है। इस एमओयू का उद्देश्य महत्वपूर्ण सैन्य समस्या परिभाषाओं का समाधान करना, संसाधन साझाकरण को बढ़ावा देना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग और वीएल एसआई प्रौद्योगिकी सहित उभरती प्रौद्योगिकियों में संयुक्त प्रयासों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना है।

प्रौद्योगिकी-संचालित युद्ध क्षेत्रों के लिए भारतीय सेना की तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान: एमसीटीई के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास ने युद्ध की आधुनिक व्यावहारिक मांगों के साथ अकादमिक नवाचारों को संरेखित करने में इस सहयोग के महत्व पर जोर दिया। यह पहल प्रौद्योगिकी-संचालित युद्ध क्षेत्रों के लिए भारतीय सेना की तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान देगी और रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण के अनुरूप होगी।

भारतीय सेना के नेतृत्व की पुष्टि: आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने शैक्षणिक समुदाय के लिए वास्तविक दुनिया की सैन्य चुनौतियों से जुड़ने, अनुसंधान परिणामों को समृद्ध करने और राष्ट्रीय रक्षा के लिए प्रभावशाली समाधान सुनिश्चित करने के अवसर पर बात की। यह साझेदारी सैन्य-शैक्षणिक सहयोग के लिए एक मानक स्थापित करते हुए, रक्षा अनुप्रयोगों में भविष्य की प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने में भारतीय सेना के नेतृत्व की पुष्टि करती है।

एमओयू के मुख्य बिंदु

- क्षेत्र-प्रासंगिक समाधान विकसित करने के लिए सैन्य समस्या परिभाषा कथन (पीडीएस) के लिए अनुसंधान में सहयोग
- विशेषज्ञता साझा करने के लिए संकाय सदस्य और छात्रों के लिए संरचित विनिमय कार्यक्रम
- सैन्य और शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप संयुक्त प्रशिक्षण मॉड्यूल और कैप्सूल पाठ्यक्रमों का विकास
- उन्नत प्रोटोटाइप और अनुसंधान व विकास के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रयोगशालाओं तक पहुंच